MPSE-006

राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (MPS) / राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर कला उपाधि (एक वर्षीय कार्यक्रम) (MAPSOY)

सत्रीय कार्य 2026-27

(द्वितीय वर्ष/प्रथम सेमेस्टर)

MPSE-006: शांति एवं संघर्ष अध्ययन

राजनीति विज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-68

एम.ए. (राजनीति विज्ञान)

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि कार्यक्रम मार्गदर्शिका में बताया गया है, राजनीति विज्ञान के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक ट्यूटर मूल्यांकित असाइनमेंट (Tutor Marked Assignment) पूरा करना होगा। इस पुस्तिका में राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (MPS) के द्वितीय वर्ष के वैकल्पिक पाठ्यक्रम तथा एक वर्षीय कला स्नातकोत्तर (राजनीति विज्ञान) कार्यक्रम (MAPSOY) के प्रथम सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के असाइनमेंट शामिल हैं।

सत्रांत परीक्षा में बैठने की पात्रता के लिए आपको सभी सत्रीय कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमा करने होंगे। सत्रीय कार्य आरंभ करने से पहले कृपया कार्यक्रम निर्देशिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह आवश्यक है कि आप उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर संबंधित भाग के लिए निर्धारित शब्द-सीमा के आसपास होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपका लेखन कौशल सुधरेगा और आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार होंगे।

इन सत्रीय कार्यों सहित सभी सत्रीय कार्य आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास जमा किए जाने हैं। जमा किए गए सत्रीय कार्यों की रसीद अध्ययन केंद्र से अवश्य प्राप्त करें और उसे सुरक्षित रखें। यदि संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोकॉपी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र को आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाने होंगे। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए प्रदत्त अंक दर्ज करेगा और उन्हें इग्नू, नई दिल्ली स्थित छात्र मूल्यांकन प्रभाग (SED) को भेजेगा।

जमा करना:

पूर्ण किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार जमा किए जाने चाहिए।

सत्र	**जमा करने की अंतिम तिथि**	**किसे जमा करें**
जुलाई 2026 सत्र के लिए **जनवरी 2027 सत्र के लिए**	**31 मार्च, 2027** **30 सितंबर, 2027**	**आपको आवंटित अध्ययन केंद्र के समन्वयक**

शुभकामनाओं सहित,

राजनीति विज्ञान संकाय

MPSE-006: शांति एवं संघर्ष अध्ययन

(शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड: MPS-006

सत्रीय कार्य कोड: MPS-006/ASST/TMA/2026-27

पूर्णांक: 100

नोट: प्रत्येक भाग से कम-से-कम दो प्रश्न चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – I

1. योहान गाल्टुंग द्वारा नकारात्मक शांति (Negative Peace) और सकारात्मक शांति (Positive Peace) के बीच किए गए भेद तथा उससे जुड़ी संरचनात्मक हिंसा (Structural Violence) की उनकी अवधारणा ने शांति अध्ययन के दायरे को केवल युद्ध की अनुपस्थिति से कहीं आगे तक विस्तृत कर दिया। केनेथ बोल्डिंग तथा अन्य विद्वानों को यह आशंका थी कि शांति की इतनी व्यापक धारणा अपनी विश्लेषणात्मक उपयोगिता खो देगी। इस बहस का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

2. नारीवादी, राजनीतिक अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय दृष्टिकोण हिंसा की जड़ें अलग-अलग स्थानों पर खोजते हैं। प्रत्येक दृष्टिकोण संघर्ष के मुख्य स्रोत के रूप में किसे पहचानता है और शांति के मार्ग के रूप में क्या प्रस्तावित करता है, इसकी तुलना कीजिए।

3. क्लॉज़विट्ज़ के युद्ध-सिद्धांत के प्रमुख तत्वों का परीक्षण कीजिए और आकलन कीजिए कि यह समकालीन युद्धों पर किस सीमा तक लागू होता है।

4. युद्ध की यथार्थवादी (Realist), आदर्शवादी (Idealist) और मार्क्सवादी व्याख्याओं की तुलना कीजिए। मानव स्वभाव, राज्य और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के बारे में उनकी मान्यताओं में कहाँ-कहाँ अंतर है?

5. निम्नलिखित पर लगभग 250-250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

क) अंतरराष्ट्रीय संबंधों में युद्ध के कारणों और राज्य-व्यवहार को समझने के लिए केनेथ वॉल्ट्ज़ के विश्लेषण के तीन स्तर (Levels of Analysis)

ख) विद्रोह (Insurgency) और विद्रोह-प्रतिरोध (Counterinsurgency)

भाग – II

6. क्रांतिकारी युद्ध, गृहयुद्ध, विद्रोह, गुरिल्ला युद्ध, आतंकवाद और छद्म युद्ध (Proxy War) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। व्यवहार में ये श्रेणियाँ प्रायः एक-दूसरे में क्यों घुल-मिल जाती हैं, और आंतरिक सशस्त्र संघर्ष का प्रभावी प्रत्युत्तर खोजने वाले राज्यों के लिए यह अतिव्यापन कौन-सी कठिनाइयाँ उत्पन्न करता है?

7. विवाद निपटारे की राजनयिक पद्धतियों (वार्ता, सत्प्रयास (Good Offices), मध्यस्थता और सुलह) की तुलना विवाचन (Arbitration) और न्यायिक निर्णयन (Adjudication) की न्यायिक पद्धतियों से कीजिए। राज्य सामान्यतः राजनयिक पद्धतियों को क्यों प्राथमिकता देते हैं?

8. शांति-रक्षा (Peacekeeping), शांति-स्थापना (Peacemaking) और शांति-निर्माण (Peacebuilding) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। व्याख्या कीजिए कि संयुक्त राष्ट्र के कुछ मिशन अपने उद्देश्यों में सफल क्यों रहे, जबकि अन्य नहीं।

9. संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VI और VII के अंतर्गत सुरक्षा परिषद की शक्तियों का परीक्षण कीजिए। 'शांति के लिए एकता प्रस्ताव' (Uniting for Peace Resolution) ने परिषद में गतिरोध को दूर करने का प्रयास किस प्रकार किया?

10. निम्नलिखित पर लगभग 250-250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

क) गांधी का अहिंसा दर्शन

ख) मानव सुरक्षा (Human Security) की अवधारणा